ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, मंगलवार 31 मार्च 2026 | पृष्ठ-6

कोल इंडिया अध्यक्ष का तीन-दिवसीय एमसीएल दौरा संपन्न, कार्य कुशलता और परिचालन दक्षता के लिए सराहा

संबलपुर ३०/०३ (संवाददाता): कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष श्री बी. साईराम ने महानदी कोल फील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) के अपना तीन दिवसीय दौरे पर तालचेर एवं ईब वैली कोलफील्ड्स में प्रमुख खनन, परिचालन क्षेत्रों एवं अवसंरचना का निरीक्षण किया।

इस दौरान श्री साईराम ने कंपनी के प्रमुख हितधारकों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की, जिसमें कर्मचारी कल्याण एवं समन्वित प्रयासों पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने परिचालन के विभिन्न पहलुओं पर कंपनी के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए कुशल एवं पर्यावरणीय रूप से उत्तरदायी खनन प्रथाओं पर एमसीएल के सतत प्रयासों की सराहना की। उन्होंने देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रति कोल इंडिया की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए नवीकरणीय ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज अन्वेषण एवं कोयला गैसीकरण की दिशा में कंपनी के विविधीकरण प्रयासों को भी रेखांकित किया।तालचेर कोलफील्ड्स में अध्यक्ष ने भुवनेश्वरी एवं अनंता ओपन कास्ट परियोजनाओं के साथ-साथ भुवनेश्वरी क्षेत्र में स्थापित ऑटोमेटेड ट्रक लोडिंग सिस्टम (एटीएलएस) एवं साइलो का निरीक्षण किया। इसके पश्चात ईब वैली कोलफील्ड्स में उन्होंने समलेश्वरी, लाजकुरा तथा एकीकृत लिलारीङ्क बेलपहाड़ङ्कलखनपुर खदानों एवं लखनपुर क्षेत्र के कोयला स्टॉकयार्ड का दौरा कर उत्पादन एवं डिस्पैच की प्रगति का आकलन किया। तत्पश्चात उन्होंने कोल इंडिया की सबसे बड़ी नॉन-कोकिंग कोल वाशरी, ईब वैली वाशरी का निरीक्षण कर कोयला हैंडलिंग प्रक्रियाओं की समीक्षा की।श्री साईराम ने बसुंधरा एवं महालक्ष्मी क्षेत्र में खनन गतिविधियों की समीक्षा के साथ अपने दौरे का समापन किया, जहां उन्होंने कुल्दा, सिआरमल एवं गरजनबहाल ओसीपी तथा सरडेगा स्थित रेलवे साइडिंग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन एवं कोयला निकासी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। अपने तीन दिवसीय दौरे पर उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों, जिसमें महिला कर्मी भी शामिल थीं, को उनके सतत योगदान एवं उत्कृष्टत कार्य-प्रदर्शन के लिए सज़्मानित किया। इस अवसर पर श्री उदय अनंत काओले, सीएमडी, एमसीएल सहित श्री केशव राव, निदेशक (मानव संसाधन); श्री ए. के. बेहुरा, निदेशक (विज़); श्री एस. के. झा, निदेशक (तकनीकीङ्कसंचालन/परियोजना एवं योजना) तथा संबंधित क्षेत्रों के महाप्रबंधक पूरे दौरे में उनके साथ उपस्थित रहे।

इस्पात जनरल हस्पताल के डॉज़्टरों ने 45वें एआईएसएमओसी-2026 में किया शानदार प्रदर्शन

राउरकेला ३०/०३ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के इस्पात जनरल हस्पताल के डॉज़्टरों ने 12 से 15 फ़रवरी 2026 तक दुर्गापुर में आयोजित 45वें अखिल भारतीय इस्पात चिकित्सा अधिकारियों के सज़्मेलन (एआईएसएमओसी) 2026 में सक्रिय रूप से भाग लिया और इस आयोजन में कई पुरस्कार जीतकर संगठन का नाम रोशन किया ।

एमबीबीएस पोस्टर प्रस्तुति में, डॉ. राजंशी दास ने पहला पुरस्कार जीता जबकि डॉ. पी. जे. राय ने दूसरा पुरस्कार जीता। इसी तरह, डॉ. नीलकांत साहू ने डीएनबी पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा स्थान प्राप्त किया ।

उल्लेखनीय है कि, आईजीएच प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व मुज़्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), डॉ. जयंत कुमार आचार्य ने किया । टीम ने सज़्मेलन के विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में सराहनीय प्रदर्शन किया। डॉ. देबाशीस राय और डॉ. माया बोस ने सज़्मेलन के दौरान संगोष्ठी और पैनल चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और मूल्यवान शैक्षणिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। टीम के अन्य सदस्यों में डॉ. सी. के. कासी, डॉ. नबनील रॉय, डॉ. (श्रीमती) नेहा दाश, डॉ. विवेकानंद सिंह और डॉ. बासुदेव जेना शामिल थे।

डॉज़्टरों की उपलज़्धियाँ स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता और पेशेवर विकास पर आईजीएच के निरंतर प्रयास को दर्शाती हैं।

बीजेडी ने फॉर्म 17सी पर ईसीआई की चूक और वोटों में भारी उछाल को लेकर चिंता जताई

भुवनेश्वर ३०/०३ (संवाददाता):ओडिशा में हुए दोहरे चुनावों के उन्नीस महीने बाद, बीजू जनता दल (बीजेडी) ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा फॉर्म 17सी और वोटों में अचानक हुई बढ़ोतरी से संबंधित खामियों का मुद्दा उठाया। बीजेडी ने पूर्ण पारदर्शिता की अपनी मांग को दोहराते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने 2024 के ओडिशा चुनावों से संबंधित प्रमुख चिंताओं पर अभी तक स्पष्ट जवाब नहीं दिए हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पार्टी के वरिष्ठ नेता संतृप्त मिश्रा और लेखाश्री सामंता सिंघर ने इस बात पर जोर दिया कि नवीन पटनायक की ओर से उठाई गई मांगें लोकतंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से हैं, न कि राजनीति को।फॉर्म 17सी अभी भी लापता है- 19 महीने बीत जाने के बाद भी बूथवार मतदान के रिकॉर्ड प्रकाशित नहीं हुए हैं।

मतदान में विसंगतियां- डाले गए वोटों (फॉर्म 17सी) और गिने गए वोटों (फॉर्म 20) के बीच बड़ा अंतर है, कुछ बूथों पर 600 से अधिक अतिरिक्त वोट दिखाए गए हैं। शाम 5 बजे के बाद मतदान में अचानक उछाल- सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान के आंकड़ों में 7त्न से 30त्न की वृद्धि - जो पहले के चुनावों में नहीं देखी गई थी - अभी भी अस्पष्ट है।

खोए हुए वोट- ईवीएम/प्रक्रियात्मक त्रुटियों के कारण मतपत्र अमान्य घोषित किए गए, और इसके लिए कोई जवाबदेही तय नहीं की गई।पारदर्शिता की मांग- बीजेडी ने ईवीएम ऑडिट में पार्टी की भागीदारी और मजबूत सुरक्षा उपायों की मांग की है।

पार्टी ने चुनाव आयोग से जनता का विश्वास बहाल करने और स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र और स्पष्ट स्पष्टीकरण देने का आग्रह किया।

सरकार ने 18 जिलों में नगर निकाय चुनावों की प्रक्रिया शुरू की

भुवनेश्वर ३०/०३ (संवाददाता): नई बनी नोटिफाइड एरिया काउंसिल (ह्रष्टह्य), नगर पालिकाओं और नगर निगमों के चुनावों की प्रक्रिया शुरू करते हुए, ओडिशा सरकार ने इस संबंध में 18 जिलों के जिला कलेज़्टरों को पत्र लिखा है। एक पत्र में, आवास और शहरी विकास विभाग ने कलेज़्टरों को मार्च तक वार्डों के परिसीमन और सीटों के आरक्षण की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है। शेड्यूल के अनुसार, नगर पालिका क्षेत्रों के परिसीमन और सीटों के आरक्षण से संबंधित प्रस्ताव और आपज़्तियां 12 फरवरी से 21 फरवरी तक आमंत्रित की जाएंगी। परिसीमन और सीटों के आरक्षण पर नोटिफिकेशन 26 फरवरी को जारी किया जाएगा। इसके बाद, 26 फरवरी से 13 मार्च तक आपज़्तियां और अपील स्वीकार की जाएंगी। अपीलों पर 16 मार्च से 28 मार्च के बीच सुनवाई होगी, और अंतिम नोटिफिकेशन कलेज़्टरों द्वारा 31 मार्च को जारी किया जाएगा।

लकड़ी तस्करी पर शिकंजा, लाखों की जब्ती

गंजम ३०/०३ (संवाददाता):वन विभाग ने गंजम जिले के भंजनगर में दक्षिण घुमुसर वन प्रभाग के बडागड़ा वन रेंज के तहत गंगापुर गांव के पास अवैध लकड़ी तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया और 3 लाख रुपये से ज़्यादा की लकड़ी और गाड़ी ज़ज़्त की।

एक सूचना के आधार पर, वन अधिकारियों ने कीमती लकड़ी से लदी एक पिकअप वैन को ज़ज़्त कर लिया, जिससे उसकी अवैध ढुलाई रोक दी गई। अधिकारियों के अनुसार, जानकारी मिली थी कि एक पिकअप वैन का इस्तेमाल महंगी लकड़ी की तस्करी के लिए किया जा रहा है। इसके बाद, बडागड़ा रेंज के वन अधिकारी ने एक विशेष प्रवर्तन टीम के साथ मिलकर एक ऑपरेशन शुरू किया और संदिग्ध वाहन का पीछा करना शुरू कर दिया। वन विभाग की गाड़ी को देखते ही ड्राइवर पिकअप वैन छोड़कर मौके से फरार हो गया। वन टीम ने गंगापुर गांव के पास लकड़ी से लदी गाड़ी को सफलतापूर्वक रोक लिया और ज़ज़्त कर लिया।ज़ज़्त किए गए माल में सागौन और गंभारी की लकड़ी शामिल थी, जिन्हें कीमती वन उत्पाद माना जाता है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि ऑपरेशन के दौरान कुल 46 ष्द्धह्ल लकड़ी बरामद की गई।

बडागड़ा के रेंज वन अधिकारी अंजन कुमार नायक ने कहा, हमें मिली जानकारी के आधार पर, हम पिछले चार दिनों से संदिग्धों पर नज़र रख रहे थे। कल रात, हमने उन्हें सफलतापूर्वक रोक लिया, और पुलिस की मदद से, हम गाड़ी का पता लगाकर उसे ज़ज़्त करने में कामयाब रहे। ज़ज़्त की गई लकड़ी की कीमत 70,000 रुपये से ज़्यादा होने का अनुमान है, जबकि गाड़ी की कीमत 2 लाख रुपये से ज़्यादा है। कुल मिलाकर, ज़ज़्त की गई संपज़्ति की कीमत 3 लाख रुपये से ज़्यादा है। ज़ज़्त की गई पिकअप वैन और लकड़ी की अनुमानित कीमत लगभग 3 लाख रुपये है। बडागड़ा रेंज के वन अधिकारी ने बताया कि तस्करी नेटवर्क में शामिल लोगों की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है।

यह सफल ऑपरेशन अवैध लकड़ी व्यापार पर अंकुश लगाने और वन संसाधनों की रक्षा के लिए वन विभाग के लगातार प्रयासों को उजागर करता है। अधिकारियों ने दोहराया है कि वन संबंधी अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सज़्त कार्रवाई की जाएगी, जिससे क्षेत्र में सक्रिय लकड़ी तस्करों को एक स्पष्ट चेतावनी दी गई है।

पीने के पानी की कमी को लेकर ग्रामीणों ने सड़कें जाम कीं

बालासोर ३०/०३ (संवाददाता): बैंचा और नारनपुर के बीच वाहनों की आवाजाही लगभग तीन घंटे तक ठप रही, ज़्योंकि नीलगिरी ज़्लॉक के मटियाली पंचायत के आदिआसाही, डंबुरिया और रामसिंह साही गांवों के गुस्साए ग्रामीणों ने इलाके में पीने के पानी के संकट का तुरंत समाधान करने की मांग को लेकर आदिअखुंटा चौक पर सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सुबह 10 बजे से सड़क पर बर्तन, बाल्टी और कंटेनर रखकर जाम लगा दिया। उन्होंने कहा कि मटियाली से सिर्फ एक किलोमीटर दूर एक मेगा जल आपूर्ति परियोजना स्थापित की गई है। हालांकि, इन गांवों में पानी की आपूर्ति अनियमित बनी हुई है।ग्रामीणों ने कहा, हम चाहते हैं कि प्रशासन हमारे इलाके में पीने के पानी के संकट को हल करने के लिए स्थायी उपाय करे। जूनियर इंजीनियरों के साथ स्थानीय पुलिस विरोध स्थल पर पहुंची और ग्रामीणों को जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद सड़क जाम हटा लिया गया।

आरएसपी के एमएम-सेंट्रल स्टोर्स विभाग में नॉन-मूविंग इन्वेंटरी आइटम की प्रदर्शनी का किया गया उद्घाटन

राउरकेला ३०/०३ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र के सामग्री प्रबंधन विभाग की केंद्रीय भण्डारण इकाई द्वारा केंद्रीय भण्डारण इकाई परिसर में नॉन-मूविंग इन्वेंटरी चीज़ों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई है। राउरकेला इस्पात सयंत्र के निदेशक प्रभारी, श्री आलोक वर्मा ने कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), श्री तरुण मिश्र, कार्यपालक निदेशक (खान विकास एवं सीएमएलओ), श्री बी के गिरि, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स), श्री विश्व रंजन पलाई, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन), श्री अनिल कुमार, कार्यपालक निदेशक (खान,ओजीओएम,सीएमएलओ), श्री एम पी सिंह की उपस्थिति में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संयंत्र के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी और विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे। अपने संबोधन में, श्री वर्मा ने लागत नियंत्रण के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा कि प्रभावी सूची प्रबंधन संसाधनों को अनुकूलित करने और परिचालन दक्षता में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने ग़ैर-चलती वस्तुओं की पहचान करने और प्रदर्शित करने में सामग्री प्रबंधन विभाग की पहल की सराहना की ताकि इन सामग्रियों का विभिन्न विभागों द्वारा उत्पादक रूप से उपयोग किया जा सके, जिससे अनावश्यक ख़रीद को कम किया जा सके और संसाधन अनुकूलन की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके।

श्री अनिल कुमार ने इस तरह के नए तरीकों की ज़रूरत पर ज़ोर दिया और इस पहल की मुज़्य बातों पर प्रकाश डाला। अन्य सभी कार्यपालक निदेशक ने भी इस पहल की सराहना की और बताया कि इस तरह के प्रयासों से इन्वेंट्री का बेहतर प्रबंधन करने, बेकार पड़े स्टॉक को कम करने और प्लांट के भीतर उपलज़्ध संसाधनों का सर्वोज़म उपयोग सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।इसके बाद एक इंटरैज़्टिव सत्र हुआ जहां मुज़्य महाप्रबंधक ने बेहतर योजना और इन्वेंट्री प्रबंधन के लिए अपने विचार व्यक्त किए।

सहायक महाप्रबंधक (सेंट्रल स्टोर्स), श्री बी के चौधरी ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। सहायक प्रबंधक (सामग्री प्रबंधन- स्टोर्स),सुश्री ममता सेनापति ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

कार्यक्रम के दौरान, गणमान्य व्यक्तियों ने केंद्रीय स्टोर्स के नए पुनर्निर्मित शेड का भी दौरा किया, जहां कुछ वस्तुओं को अव्यवस्था में रखा गया था। शेड को विकसित किया गया है और प्रदर्शनी के लिए एक समर्पित प्रदर्शन क्षेत्र के रूप में निर्धारित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्देश्य ग़ैर-चलने वाली इन्वेंट्री वस्तुओं को प्रदर्शित करना है जो पांच वर्षों से अधिक समय से दुकानों में अप्रयुक्त रहे हैं, जिससे अन्य विभाग अपनी परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार उनकी समीक्षा और उपयोग कर सकते हैं। तदनुसार एक अनुसूची तैयार की गई है जिसके तहत दो विभागों को उनके प्रतिनिधियों के साथ प्रत्येक दिन प्रदर्शनी का दौरा करने और उन वस्तुओं की पहचान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है जो उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए उपयोगी हो सकते हैं।

केंद्रीय स्टोर के विभिन्न स्थानों पर उचित टैगिंग और ज़्यूआर कोड के साथ 20 करोड़ रुपये की लगभग 3000 ग़ैर-चलती वस्तुएं प्रदर्शित की गई हैं, जो आसान पहचान के लिए और आइटम विवरण तक त्वरित पहुंच प्रदान करती हैं, जिससे विभागों को अपनी परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार आसानी से समीक्षा करने और सामग्री का चयन करने में सक्षम बनाता है। प्रदर्शनी 31 मार्च को समाप्त होने वाली है।

MCL महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

सूचना

सामानों, कार्यों एवं सेवाओं के क्रय हेतु सीआईएल एवं इसकी सहायक कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/संबंधित सहायक कंपनी (एमसीएल, www.mahanadicoal.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी ये क्रय उपलब्ध है।

R-5293